प्रेपक,

अर्जुन सिर्ह संयुक्त साँचव जारांचल शासनः

संबा ने,

नशनिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याम, उत्तरांचल देहरादुन।

चिकित्सा अनुभाग-३

देहरादून: दिशांक: ३७ मार्च, २००५

विषय: <u>राजकीय एलोपैधिक चिकित्सालय इल्दी जनपद उधमसिंह नगर के भवन</u> निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु अवशोध धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपयुक्त विषयक आमन्ने पत्र सं3-7प/1/एस0ए0पी0/65/2003/5712 दिनांक 11.मार्च 2005 के संदर्भ में तथा शासनादेश सं0-60/चिठ-3-2004-25/2003 दिनांक 21 फरवरी 2004 के क्रम में मुन्ने यह व्यक्ति का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वर्ष 2004-05 में राजकांव एलोपीवक चिकित्सालय हल्दों जनपर उपमसिंह नगर के भवन निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु संलग्नकानुसार कठ 16,18,000.00 (कठ सोलह लाख अदारह हजार मात्र) साख को धनारींग के व्यय को सहप स्वोद्धार निम्नांकिट शर्तों के साथ प्रदान करते हैं।

- 2- उन्त स्वीकृत धनतारा का व्यव कार्य की स्वीकृति से संबंधित मूल शासनादेश में जिल्लावित शतों /नियमों के अन्तर्गत ही किया जावेगा ।
- 3- कार्य करते समय लोगनिशांका कं स्वोकृति बिध्ययों कं अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य को गुमवतता पर विशोध यस दिया चाए, कार्य के गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निमार्ण एजेन्सों का होगा।
- 4- उक्त बनराशि तत्काल आइरित को जायेगी तथा तत्परचात निमार्ण इकाई 3000 समाज कल्यामें निर्माण निगम, उत्तरांचल को उपलब्ध कराई जायेगी स्वीन्त धनराशि का उपभौग प्रत्येक दशा में इसी विक्ताय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा
  - 5- स्वीकृत धनराशि के आहरण से सम्बन्धित वाठचर संग्र-एव दिनाकों की सूचना तत्काल उपलब्ध कराबी जावेगी। तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुरितका में ठल्लिखित प्राविधानों में एवं बजट मेंनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्मत आदेशों को अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जावेगा
  - 6- धनराशि इसी मद में व्यव की जाए जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है।
  - 7- धनराशि का आहरप/ध्यय आधरयकतानुसार एवं मितव्ययता को ध्यान में रखकर किया

प्रवेश,

अर्जुन सिहं संयुक्त सचिव उतारांचल शासन

सेवा ने

नहानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तरांचल देहरादुन।

चिकित्सा अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक: ३७ मार्च, २००५

विषय: <u>राजकीय एलोपैधिक चिकित्सालय इल्सी जनपद उधमसिंह नगर के भवन</u> निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु अवशोध धनराशि की स्वीकृति।

50159

उपयुक्त विषयक आपक्षे पत्र त0-7प/1/एत0ए0डी0/65/2003/5712 दिनांक 11.मार्च 2005 के संदर्भ में तथा शासनादेश सं0-60/वि0-3-2004-23/2003 दिनांक 21 फरवरी 2004 के क्रम में मुद्र यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राण्यपाल महोदय वर्ष 2004-05 में राणकीय एलीपीयक चिकित्सालय हल्दी चनपद उपमित्तिह नगर के भवन निर्माण कार्य की पूर्ण करने हेंतु संलन्नकानुसार रूप 16,18,000.00 (२० सोलह लाख अठारह हजार मात्र) लाख की धनारीश के व्यय की सहप स्वीकृति निम्नांकित शर्तो के साथ प्रदान करते हैं।

- 2- उन्तर स्वीकृत धनराशि का व्यय कार्य को स्वीकृति से संबीधत मूल शासनादेश में वील्लीखत रातों /नियमों के अन्तर्गत हो किया जायेगा ।
- 3- कार्च करते समय लोऽन्ऽविठ कं स्वांकृति विच्छिने कं अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य को गुणवतता पर विशेष वल दिया वाए, कार्य के गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निमार्ण एवंन्कों का होगा।
- 4- उक्त धनतीरा तत्काल आहारेत की जायेगी तथा तत्मरकात निमाणे इकाई २०५० समाज करपापो निमाण निगम, उत्तरांचल को उपलब्ध कराई जायेगी स्कीप्तृत धनरारित का उपभौग प्रत्येक दशी में इसी वित्तांच वर्ष के भीतर सुनिरिचत किया जायेगा
  - 5- स्वीकृत धनराशि के आहरण से सम्बन्धित वाठचर सं0-एव दिनाकों की सूचना तत्काल ठपलब्ध करायी जायेगी। तथा धनराशि का व्यय वित्तीय इस्तपुरितका में डिल्लिखित प्राविधानों में एवं बजट मेंनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित क्रिया जायेगा
  - 6- धनराशि दसी मद में व्यय की जाए जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है।
  - 7- धनराशि का आहरण/ध्यय आवरयकतानुसार एवं मितब्ययता को ध्यान में रखकर किया चार।

8- ठकत व्यय वर्ष 2004-05 को उन्चय-व्यवक में अनुदान संख्या -12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यव-00-आयोजनानत-02-ग्राभीण स्वास्थ्य सवाये-110-अस्पताल तथा औषधालय 91-जिला पोलना 01-राजकोब एलोपेथिक चिकित्सालयों की भवनों का निर्माण -24 वृहत निर्माण कार्य को मार्म डाला जाएगा तथा संस्थम प्राविधिक प्राविधिक परिव्यय में अनुसार लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय — आयोजनानत-02-ग्रामीण स्वास्थ्य केवाये-110-अस्पताल तथा आयोजनानत-02-ग्रामीण स्वास्थ्य केवाये-110-अस्पताल तथा आयोजनानत-02-ग्रामीण स्वास्थ्य केवाये-110-अस्पताल तथा आयोजनानत-03-ग्रामीण स्वास्थ्य केवाये-110-अस्पताल तथा केवाये-110-अस्पताल तथा काव्यायां काव

9- वह आदेश वित्त विभाग के अशा० कंठ 1984/वित्त अनुभाग-2/2005 दिनांक 30.3.05 में प्राप्त सहमति हे जारी किये जा रहे हैं ।

## संलन्क यथोक्तः

भवदीय ( अर्जुन सिंह ) संयुक्त सचिव

## 花0-555(1)/xxviii(3)-2005-23/2004 市民民刊信息日

प्रोतिलिपि निम्नालिखत को सूचनार्थ एवं आवरयक कार्यवाडी हेतु प्रीयत :-

- 1- महालेखाकार, इलसंचल, मानस देहरादून ।
- 2- निरंशक, कांपागार, ढलरांचल ,रंहरादुन।
- ३- वरिष्ट कोपाधिकारी, देहरादूर।
- 4- जिलाधिकारों, डधमसिंह नगर।
- ५- मुख्य चिकित्साधिकारी उधमसिंह मगर।
- 5- व्यक्त समाज कल्याण निर्माण निगम लिए वतत्तरांचल
  - 7- विता अनुभाग-2/नियोजन विभाग
  - ৪- गार्ड फाईल ।

अत्ता सं, (अर्जुन सिंह) संयुक्त सचिव

## सं0-555/xxviii(3)-2005-23/2004 दिनांक 36/03 of का संलग्नक

				(रू० लाख में
京. 屯.	योजना का नाम	अनुमोदित लागव	अय तक अवमुक्त की गई धनसशि	वर्ष 2004-05 में स्वीकृत धनराशि
7	2	3	4	5
1	राजकांच एलीपीयक चिकित्सालय इल्दी जनवद ठथमसिंह नगर के भवन निर्माण कार्य	27.34	11.16	76.18
	योग	27.34	11.16	16.18

(क्0 सोलह लाख अठारह हजार मात्र)

(अर्जुन सिंह) संयुक्त समिव

व्यक्ति सं० - 12 निषंत्रक व्यक्तिकारी, क्रिक्सिक्स कि 50 (६ व व कार्य कार्य कार्य न्यान निवासका महानितेशक, चिकित्ता स्वास्थ्य एवं परिवार कट्याण, उत्तरांचल, देहराडून

(चित्तीय वर्ष 2004-05)

प्रमाणित किया जाता है कि अपरोक्त भुर्रेतकीयोग भे बलट मैनुअल के परिच्छेद 151,156 में उंप्लियत प्रतिकार्थ एवं सीमाओं का अस्तियन नहीं होता 24- युक्त निर्माण कार्य हेल्य सिस्टन परिकोजना सहायवित परियोजनाएं ०२-औपधालय, ९७- बाह्य 110- अग्रथान सथा साराय स्वास्थ्य सेवाचे र्याण्याच आयोजनस्यतः -02 रवास्थ्य पर भूजीयत 4210- चिकित्सा तथा स्रोक चन्ट प्राविधान तथा विवस्म (मनक यह) लेखाशीर्पक का योग 235302 235302 अध्यानीयक 100000 100000 Thelle MESTE before N अवधि में विश्वीय चर्च की श्रीध Pale 00 ï 135302 135302 fi (de) पश्चित्रा (साउन्हाम) का निर्माण -24 चुहत निमाण कार्य विकित्सालयों के प्रकार 91-जिला योजन 01-यनकीय एतोक्षिक्<sub>म</sub> प्रथम औरमास्य रोतारे-110-अस्पताल Million Million भरित्राय-00-आसीमाग्स -02-द्यानीया स्वाद्रश्य लोफ स्वाहरून पर 4210-पिकिस्या सथा धनयांश स्थाना-वरिव लेखा शांबंक कियो किया जाना है (54 25-11) 1618 1618 34118 विनियोजन 34118 पनपशि की साद -1.8 Pop-श्री-विनियोजन कालम-१ की की बाद धनसिंग अंदर्श य 233684 233684 छ. राजकीय एलॉगीयक चिकित्सालयो ब. १२४ प्रिस्टा परियोजना के अंतर्गत कारण धनराशि की आवश्यकता कर बंबर आविधान होंगे के का (चाहू योजना के अंतर्गत) की सनत है। प्रविधान होते के कारण धनस्त्रिश र प्राप्ता है अधिक क्षात (स्थार में)

peare (अर्जुन सिंह)

संपुक्त सचिव

उत्तरां चल शासन

विता अनुभाग 2

संब्हा 1984 (A) विता अनु0 2/ रेहराङ्ग : दिनांक 30,3, 2005

## पुनीवनियोजन स्वीकृति

एल०एम० पंत अपर सचिव, चित्त विभाग

महालेखाकार

माजरा सहारनपुर गेड्, देहरादून। उत्तरांचल (लेखा एवं इक्त्यारी)

प्रतिलिए निम्मिलिक को सूम्बार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रीक्त:-संख्या- 555/xxviii(3)-2005-23/2004 व्यक्तिनंक

- । निदेशक, क्षेप्राप्त एवं बिता सेवाये, उत्तरांचल।
- वरिष्ठ कोमाधिकारी/कोमाधिकारी, उत्तरांचल।
- 3, वित्त अनुगान 2
  - 4. गार्ड फाईल